VARDHAMAN MAHAVEER OPEN UNIVERSITY, KOTA

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

एम. ए. हिन्दी

एम.ए. पूर्वार्द्ध

INTERNAL ASSIGNMENT

आन्तरिक मूल्यांकन/सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम – एमएएचडी 01 से 04

सत्र : 2013–14

VARDHAMAN MAHAVEER OPEN UNIVERSITY, KOTA
RAWATBHATA ROAD, KOTA - 324021

वर्धमान महावीर खुला वि□वविद्यालय

एम.ए. हिन्दी उपाधि कार्यक्रम

एम. ए. पूर्वार्द्ध,हिन्दी

आन्तरिक मूल्याकंन हेतु सत्रीय कार्य 01 से 04 तक

कार्यक्रम कोड–एमएएचडी

प्रिय छात्र,

आपको एम.ए. पूर्वार्द्ध हिन्दी पाठ्यक्रम के विभिन्न प्रश्न–पत्रों के सत्रीय कार्य भिजवाये जा रहे हैं, जिनका विवरण निम्न प्रकार है –

पाठ्यक्रम कोड	प्रश्न पत्र का नाम	सत्रीय कार्यों की संख्या	सत्रीय कार्य अधि. अंक	सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
एमएएचडी–01	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	02	20	80	100
एमएएचडी–02	आधुनिक काव्य	02	20	80	100
एमएएचडी–03	हिन्दी साहित्य का इतिहास	02	20	80	100
एमएएचडी–04	काव्यशास्त्र व समालोचना	02	20	80	100

आपके प्रश्न–पत्र में आपको दो सत्रीय कार्य करने हैं। इन्हें पूरा करके आप निर्धारित अन्तिम तिथि से पूर्व अपने क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक के पास स्वयं उपस्थित होकर अथवा पंजीकृत डाक से अवश्य भिजवा दें। यह सत्रीय कार्य सत्रांत मुख्य परीक्षा से दो माह पूर्व तक भिजवाना आवश्यक है। प्रत्येक सत्रीय कार्य 20 अंकों का होगा। सत्रीय कार्य स्वयं की हस्तलिपि में करें। तथ्यात्मक त्रुटियों को छोड़कर सत्रीय कार्यों का पुनर्मूल्यांकन नहीं होता है, और न ही इन्हें सुधारने हेतु पुनःस्वीकार किया जाता है। अतः पहली बार में ही सर्वश्रेष्ठ उत्तर लिखें।

विद्यार्थी प्रथम पृष्ठ पर निम्न सूचना अंकित करें।

एम.ए. हिन्दी उपाधि कार्यक्रम

एम. ए. पूर्वार्द्ध,हिन्दी सत्र 2013–14

स्कॉलर संख्या | | | | | | | | | | |

सत्रीय कार्य संख्या..... **जमा करवाने का दिनांक**

पाठ्यक्रम कोड..... **पाठ्यक्रम का नाम**.....

.....

छात्र का नाम..... **पिता का नाम**.....

.....

स्कॉलर संख्या.....

पत्र व्यवहार का पता.....

.....

आन्तरिक मूल्यांकन / सत्रीय कार्य –I/Internal Assignment-I
M.A. Hindi एम.ए. हिन्दी
पाठ्यक्रम कोड–एमएएचडी– 01 Course Code: MAHD-01
प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

Max. Marks : 20
पूर्णांक–20

टिप्पणीः– प्रश्न 1 व्याख्या परक हैं तथा प्रश्न 2 विवेचना परक है, जिसकी शब्द सीमा लगभग 500 शब्द हैं। ये दोनों प्रश्न 7 अंक के है। प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक हैं, शब्द सीमा 150 शब्द हैं, तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है।

प्रश्न.1 निम्न पद की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

अबलौ नसानी अब न नसैहों।
रामकृपा भव निसा सिरानी जागे फिरी न डसौहों।।1।।
पायेउ नाम चाह चिंतामनि उर करते न खसैहों।
स्याम रूप रूचि रूचिर कसौटी चित कंचनहिं कसैहों।।2।।
परबस जानि हस्यो इन इन्द्रिन निज बस है न हॅसहों।
मन मधुकर पनकै तुलसी रघुपति पद कमल बसैहों।।3।।

अथवा

साधो भाई, जीवत करो आरसा।
जीवन समझे बूझे, जीवन मुक्तिनिवासा।।
जीवन मरन की फाँसन काटी, मुये मुक्ति की आसा।।
तन छूटे जिव मिलत कहत है, सो सब झूठी आसा।।
अबहूँ मिला तो तबहूँ मिलेगा, नहिं तो जमपुर बासा।।
सत्त गहे सतगुरू को चीन्हें, सत्तनाम विस्मासा।।
कहैं कबीर साधन हितकारी, हम साधन के दासा।।

प्रश्न.2 'मीरा की भक्तिभाव पर एक सोदाहरण लेख लिखिए सोदाहरण विवेचना कीजिए।

अथवा

सुरदास के काव्य में अनुभूति व अभिव्यंजना पक्ष की विवेचना उदाहरण सहित कीजिए।

प्रश्न.3 निम्न में से किन्ही दो पर टिप्पणी लिखिए।
क. कबीर काव्य का वैचारिक पक्ष।
ख भूषण के काव्य में राष्ट्रीय चेतना।
ग पद्मावत के काव्य में प्रकृति चित्रण।
घ तुलसी का व्यक्तित्व व कृतित्व।

आन्तरिक मूल्यांकन / सत्रीय कार्य –II/Internal Assignment-II
M.A. Hindi एम.ए. हिन्दी
पाठ्यक्रम कोड–एमएएचडी– 01 Course Code: MAHD-01
प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

Max. Marks : 20
पूर्णांक–20

टिप्पणी:– प्रश्न 1 व्याख्या परक हैं तथा प्रश्न 2 विवेचना परक है, जिसकी शब्द सीमा लगभग 500 शब्द हैं। ये दोनों प्रश्न 7 अंक के है। प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक हैं, शब्द सीमा 150 शब्द हैं, तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है।

प्रश्न.1 निम्न पद की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

कनवज्जह जयचंद। चल्यो दिल्लीपति पिष्षण।।
चंद वरद्दिय तथ्थ। सथ्थ सामंत सूर धन।।
चाहुआन कूरंभ। गौर गाजी बड़ गुज्जर।।
जादव रा रघवुस। पार पूंडीरति पष्षर।।
इत्तने सहित भूपति छड्यो। उड़ी रेनु छीनो नभो।।
इक लष्ष लष्ष वर लेषिए। चले सथ्थ रजपूत सौ।

.

अथवा

प्रकृति जोई जाके अंग परी।
स्वान–पूँछ कोटिक जो लागै, सूधि जौन धरी।
जैसे काग भच्छ नहिं छाड़ै, जगमत जौन धरी।
धौसे रंग जात कहु कैसे, ज्यों कारी कमरी।
ज्यों अहि डसत उदर नहिं पूरत, ऐसी धरनिं धरी।
सूर होउ सोच नहिं, तैसे हैं एउ री।

प्रश्न.2 तुलसी के काव्य में भाव पक्ष एवं कलापक्ष का सुन्दर समन्वय हुआ है, सोदाहरण विवेचना कीजिए।

अथवा

बिहारी के काव्य के भाव व अभिव्यंजना पक्ष पर लेख लिखिए।

प्रश्न.3 निम्न में से किन्ही दो पर टिप्पणी लिखिए।

क. सूरदास का व्यक्तित्व व कृतित्व।
ख. सूर के काव्य में लोक तत्व।
ग. घनानन्द का वियोग वर्णन
घ. रीतिकालीन कवि भूषण का राष्ट्रीय प्रेम।

आन्तरिक मूल्यांकन / सत्रीय कार्य –I/Internal Assignment-I
M.A. Hindi एम.ए. हिन्दी
पाठ्यक्रम कोड–एमएएचडी– 02 Course Code: MAHD-02
आधुनिक काव्य

Max. Marks : 20
पूर्णांक–20

टिप्पणीः– प्रश्न 1 व्याख्या परक हैं तथा प्रश्न 2 विवेचना परक है, जिसकी शब्द सीमा लगभग 500 शब्द हैं। ये दोनों प्रश्न 7 अंक के है। प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक हैं, शब्द सीमा 150 शब्द हैं, तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है।

प्रश्न.1 निम्न पदों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

1. दिवसावसान का समय
मेघमय आसमान से उतर रही है
वह सन्ध्या–सुन्दरी परी–सी
तिमिरांचल में चंचलता का नहीं कहीं आभास
मधुर–मधुर हें दोनों उसके अधर–
किन्तु गम्भीर,–नहीं है उनमें हास–विलास
हँसता है तो केवल तारा एक
गुँथा हुआ उन घुँघराले काले बालों से,
ह्रदय राज्य की रानी का वह करता है अभिषेक।

अथवा

दुर्गम बर्फानी घाटी में
शत–सहस्त्र ऊँचाई पर
अलख नाभि से उठने वाले
निज के ही उन्मादक परिमल–
के पीछे, धावित हो–होकर
तरल तरूण कस्मूरी मृग को
अपने पर चिढ़ते देखा हैं
बादल को धिरते देखा हैं
कहाँ गसर धनपति कुबेर वह

प्रश्न.2 'जयशंकर प्रसाद के काव्य में छायावादी लक्षण के अनुप्रयोग की सोदाहरण विवेचना कीजिए।

अथवा

बच्चन के काव्य के अनुभूति पक्ष व अभिव्यक्ति पक्ष की विवेचना कीजिए।

प्रश्न.3 निम्न में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए।

क. नागार्जुन के काव्य में प्रगतिशीलता के स्वर।

ख. मैथिलीशरण का व्यक्तित्व व कृतित्व।

ग कवि निराला के काव्य में प्रतीक व बिम्ब योजना।

घ महोदवी वर्मा के काव्य में रहस्यानुभूति।

आन्तरिक मूल्यांकन / सत्रीय कार्य –II/Internal Assignment-II
M.A. HIndi एम.ए. हिन्दी
पाठ्यक्रम कोड–एमएएचडी– 02 Course Code: MAHD-02
आधुनिक काव्य

Max. Marks : 20
पूर्णांक–20

टिप्पणीः– प्रश्न 1 व्याख्या परक हैं तथा प्रश्न 2 विवेचना परक है, जिसकी शब्द सीमा लगभग 500 शब्द हैं। ये दोनों प्रश्न 7 अंक के है। प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक हैं, शब्द सीमा 150 शब्द हैं, तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है।

1. निम्न पदों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

औरों के हाथों से यहाँ नहीं पलती हूँ।
अपने पैरों पर आप खड़ी चलती हूँ।
श्रमवारि बिन्दू फल स्वास्थ्य शुचि फलती हूँ।
अपने अंचल से व्यजन आप झलती हूँ।
तनु–लता–सफलता–स्वाद आज हो आया,
मेरी कुटिया में राज भवन मन भाया।

अथवा

जब सीमा के इस पार पड़ी थी लाशें
जब सीमा के उस पड़ी थीं लाशें
सिकुडीं ठिठरी नंगी अनजानी लाशें
वे उधर से इधर आ मरते थे
या इधर से उधर जा मरते थे
यह बहस राजधानी में हमम करते थे।

प्रश्न.2 अज्ञेय के काव्य का अनुभूति व अभिव्यंजना पक्ष की विवेचना कीजिए।

अथवा

'' पंत प्रकृति के सुकुमार कवि है।'' इस कथन को स्पष्ट करते हुए पंत के भाव पक्ष व शिल्प पक्ष पर एक लेख लिखिए।

प्रश्न.3 निम्न में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए।

क. महादेवी वर्मा के काव्य में नव रहस्यवाद।

ख. दुष्यन्त कुमार के काव्य में प्रयुक्त भाषा शैली।

ग. नई कविता के सन्दर्भ में रघुवीर सहाय के काव्य का मूल्यांकन।

घ. नागार्जुन के काव्य में रागात्मक संवेदना।

आन्तरिक मूल्यांकन / सत्रीय कार्य –I/Internal Assignment-I
M.A. HIndi एम.ए. हिन्दी
पाठ्यक्रम कोड–एमएएचडी– 03 Course Code: MAHD-03
हिन्दी साहित्य का इतिहास

Max. Marks : 20

पूर्णांक–20

टिप्पणीः– प्रश्न 1 तथा 2 विवेचना परक हैं तथा शब्द सीमा 500 शब्द हैं, तथा प्रत्येक प्रश्न 7 अंक का है। प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक है। (शब्द सीमा 150 शब्द) तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है।

प्रश्न.1 निगुर्ण भक्ति काव्यधारा की पृष्ठाभूमि का वर्णन कीजिए ?

अथवा

द्विवेदी युगीन साहित्य की पृष्ठभूमि व प्रवृत्तियों पर लेख लिखिए?

प्रश्न.2 प्रयोगवाद के अनुभूति व अभिव्यंजना पक्ष का विवेचन कीजिए।

अथवा

नई कहानी के बाद के रचना संसार पर एक लेख लिखिए।

प्रश्न.3 निम्न में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए।

क छायावादी काव्य की प्रमुख विशेषताएँ।

ख. हिन्दी नाटक में मोहन राकेश का योगदान।

ग. रिपोर्ताज।

घ. संस्मरण।

आन्तरिक मूल्यांकन / सत्रीय कार्य –II/Internal Assignment-II
M.A. HIndi एम.ए. हिन्दी
पाठ्यक्रम कोड–एमएएचडी– 03 Course Code: MAHD-03
हिन्दी साहित्य का इतिहास

Max. Marks : 20
पूर्णांक–20

टिप्पणीः– प्रश्न 1 तथा 2 विवेचना परक हैं तथा शब्द सीमा 500 शब्द हैं, तथा प्रत्येक प्रश्न 7 अंक का है। प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक है। (शब्द सीमा 150 शब्द) तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है।

प्रश्न.1 जैन, नाथ और सिद्व साहित्य का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उनकी विशेषताओं की विवेचना कीजिए।

अथवा

कृष्ण भक्ति काव्य धारा की प्रमुख प्रवृत्तियों की विवेचना कीजिए।

प्रश्न.2 छायावादी काव्य की पृष्ठभूमि एवं स्वरूप पर एक लेख कीजिए।

अथवा

प्रयोगवाद पूर्ववर्ती काव्यधाराओं में किस प्रकार भिन्न रहा हैं? इस कथन के आलोक में प्रयोगवाद की प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न.3 निम्न में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए।

क. प्रगतिशील काव्य की प्रमुख विशेषताएँ।
ख. शुक्लोत्तर युग में निबन्ध का विकास।
ग प्रेमचन्दोत्तर हिन्दी कहानी।
घ. लौकिक साहित्य की विशेषताएँ।

`

आन्तरिक मूल्यांकन / सत्रीय कार्य –I/Internal Assignment-I
M.A. Hindi एम.ए. हिन्दी
पाठ्यक्रम कोड–एमएएचडी– 04 Course Code: MAHD-04
काव्य□ास्त्र व समालोचना

Max. Marks : 20

पूर्णांक–20

टिप्पणी:– प्रश्न 1 तथा 2 विवेचना परक हैं तथा शब्द सीमा 500 शब्द हैं, तथा प्रत्येक प्रश्न 7 अंक का है। प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक है। शब्द सीमा 150 शब्द, तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है।

प्रश्न.1 भारतीय काव्यशास्त्र के प्रमुख सम्प्रदायों पर एक लेख लिखिए ।

अथवा

हिन्दी आलोचना का क्षेत्र अत्यन्त व्यापक है इस कथन की पुष्टि करते हुए उसके विविध प्रकारो पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न.2 फ्रायड के 'मनोविश्लेषण सिद्धान्त' की व्याख्या कीजिए।

अथवा

आई.ए.रिचर्डस के मूल्य एवं सम्प्रेषण सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।

प्रश्न.3 निम्न में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए।

क. काव्य प्ररेणा व काव्य हेतु।

ख. साधारणीकरण।

ग. काव्य में अलंकार का स्थान।

घ. आधुनिकता व उत्तर आधुनिकता।

आन्तरिक मूल्यांकन / सत्रीय कार्य– II /Internal Assignment-II

M.A. Hindi एम. ए. हिन्दी

पाठ्यक्रम कोड–एमएएचडी –04 Course Code MAHD-04

काव्यशास्त्र व समालोचना

Max. Marks : 20

पूर्णांक–20

टिप्पणीः– प्रश्न 1 तथा 2 विवेचना परक है तथा शब्द सीमा 500 शब्द है, प्रत्येक प्रष्न 7 अंक का है। प्रश्न 3 में किन्ही दो प्रश्न के उत्तर देने है, शब्द सीमा 150 शब्द तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है।

प्रश्न 1 अभिव्यंजनावाद एवं वक्रोक्ति सिद्धान्त के साम्य वैषम्य का विवेचन कीजिए

अथवा

रसानुभुति और साधारणीकरण की प्रक्रिया पर एक लेख लिखिए

प्रश्न 2 पाठालोचन का विवेचन कीजिए

अथवा

आई.ए .रिचर्डस के सिद्धान्त का विश्लेषण कीजिए

प्रश्न 3 निम्न में से किन्ही दो पर टिप्पणी लिखिए

क. शुक्लयुगीन आलोचना।

ख. काव्य शास्त्र की उपादेयता।

ग. काव्य में ध्वनि का स्थान।

घ. गीति काव्य की विशेषताए।